

13.10.25 - पगाळी पेय तुरी। पुरुवार उपदिना।

शुक्रवाक वा डोकळोवन विजा गाय।

मुल पगाळी के मिस्तारण तक रोना

पुरु यथा लिपि बनार रवेण फार

केल्य शुभार धे मन्वर से वन की शीके।

४००